NEWS CLIPPING: 17.06.2020

THE TRIBUNE

BTECH DEGREE UPGRADED AT YMCA

Faridabad: Considering the newest innovations in the field of information technology, JC Bose University of Science and Technology, YMCA, here has upgraded its ongoing BTech degree programmes in Computer Engineering and Electronics Engineering and decided to introduce a four-year BTech degree with specialisation in Data Science and Internet of Things (IoT) from the coming session. Revealing this Vice-Chancellor Dinesh Kumar said the decision to this effect had been taken into account of the growing importance of these subjects and the career options available for the students. The university had also announced to upgrade its BTech course in Electronics Instrumentation and Control to Electronics Engineering with specialisation of Internet of Things from the new session. The new course will facilitate learning in the core areas of Electronics with Internet Technology, Telecommunication, Sensors, Cloud Computing and Data Analytics to provide efficient futuristic solutions. The university has started as many as 22 new courses and increased the number of seats in various courses in the past five years.

The Tribune Wed, 17 June 2020
https://epaper.tribune

NEWS CLIPPING: 17.06.2020

PUNJAB KESARI

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय में शुरू किए जा रहे हैं पाठ्यक्रम

- **नए सत्र से डेटा साइंस और इंटरनेट ऑफ थिंग्स में बीटेक पाठ्यक्रम**
- **वर्ष 2019 में कंप्यूटर इंजीनियरिंग में रहा था 28.75 लाख रुपए का उच्चतम पैकेज**

फरीदाबाद, 16 जून (पूजा शर्मा): सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आ रहे नए प्रौद्योगिकीय बदलावों को ध्यान में रखते हुए जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने अपने बीटेक पाठ्यक्रमों को अपग्रेड करते हुए नई प्रौद्योगिकी को पाठ्यक्रमों में विशेषज्ञता के रूप में शामिल किया है। आगामी शैक्षणिक सत्र से विश्वविद्यालय कंप्यूटर इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के चार वर्षीय बीटेक डिग्री पाठ्यक्रमों को डेटा साइंस और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) की विशेषज्ञता के साथ शुरू करने जा रहा है।

यह निर्णय इन विषयों के बढ़ते महत्व और इसमें कैरियर के विकल्पों को ध्यान में रखा गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) द्वारा हाल ही में विश्वविद्यालय के कंप्यूटर इंजीनियरिंग (सीई) बीटेक कोर्स के लिए 60 अतिरिक्त सीटों का आवंटन किया है। विश्वविद्यालय का बीटेक कंप्यूटर इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम अपने बेहतरीन प्लेसमेंट रिकार्ड तथा आकर्षक सैलरी पैकेज के कारण हमेशा मांग में रहता है। वर्ष 2019 में, कंप्यूटर इंजीनियरिंग और सूचना प्रौद्योगिकी विभागों से 13 विद्यार्थियों का चयन 28.75 लाख रुपये सालाना के उच्चतम पैकेज पर हुआ था।

इस पाठ्यक्रम की निरंतर बढ़ती मांग और मार्केट में उपलब्ध रोजगार के अवसरों को देखते हुए विश्वविद्यालय ने पाठ्यक्रम में सीटों को बढ़ाने तथा इसे नई विशेषज्ञता के साथ शुरू करने का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय के कंप्यूटर इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में सीटों की कुल सं या अब बढ़कर 180 हो गई है। इसके मद्देनजर विश्वविद्यालय द्वारा आगामी सत्र से 60 सीटों के साथ डेटा साइंस की विशेषज्ञता में बीटेक कंप्यूटर इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इसी तरह, विश्वविद्यालय द्वारा आगामी सत्र से इंटरनेट ऑफ थिंग्स की विशेषज्ञता के साथ बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम भी शुरू किया गया है। नये पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को इंटरनेट प्रौद्योगिकी, दूरसंचार, सेंसर, क्लाउड क प्यूटिंग और डेटा एनालिटिक्स के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स के मु य क्षेत्रों में सीखने का अवसर मिलेगा।

नए पाठ्यक्रमों से विद्यार्थियों को मिलेगा रोजगार के अवसरों का ज्यादा लाभ

कुलपति ने कहा कि डेटा साइंस, मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़े क्षेत्र के साथ आईओटी आधारित उद्योगों में डेटा साइंटिस्ट और डेटा एनालिटिक्स की मांग निरंतर बढ़ रही है और मार्केट में योग्य डेटा साइंटिस्ट की कमी है। रोजगार के क्षेत्र में विद्यार्थियों को नये अवसरों का लाभ देने के उद्देश्य से ही विश्वविद्यालय ने अपने बीटेक डिग्री पाठ्यक्रमों को डाटा साइंस और इंटरनेट ऑफ थिंग्स की विशेषज्ञता के साथ शुरू करने का निर्णय लिया है।

कुलपति ने कहा कि विगत पांच वर्षों के दौरान विश्वविद्यालय ने यूजी तथा पीजी स्तर पर 22 नए पाठ्यक्रम शुरू किए हैं और विभिन्न पाठ्यक्रमों में सीटों की सं या में वृद्धि की है। वर्ष 2015 में विश्वविद्यालय के सभी पाठ्यक्रमों में सीटों की कुल सं या 714 थी जो अब बढ़कर 1700 सीटों से अधिक हो गई है, जिसके कारण अगले दो वर्षों में विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की कुल सं या बढ़कर छह हजार होना अपेक्षित है जो वर्ष 2015 में लगभग 2400 थी।

पंजाब केसरी ई-पेपर

Wed,17 June 2020

Edition: faridabad kesari, Page no. 3

NEWS CLIPPING: 17.06.2020

THE PIONEER

नये पाठ्यक्रमों से विद्यार्थियों को मिलेगा रोजगार अवसरों में लाभ : प्रो. दिनेश

फरीदाबाद। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आ रहे नये प्रौद्योगिकीय बदलावों को ध्यान में रखते हुए जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, ने अपने बीटेक पाठ्यक्रमों को अपग्रेड करते हुए नई प्रौद्योगिकी को पाठ्यक्रमों में विशेषज्ञता के रूप में शामिल किया है। आगामी शैक्षणिक सत्र से विश्वविद्यालय कंप्यूटर इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के चार वर्षीय बीटेक डिग्री पाठ्यक्रमों को डेटा साइंस और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) की विशेषज्ञता के साथ शुरू करने जा रहा है। यह निर्णय इन विषयों के बढ़ते महत्व और इसमें कैरियर के विकल्पों को ध्यान में रखा गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) द्वारा हाल ही में विश्वविद्यालय के कंप्यूटर इंजीनियरिंग (सीई) बीटेक कोर्स के लिए 60 अतिरिक्त सीटों का आवंटन किया है। विश्वविद्यालय का बीटेक कंप्यूटर इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम अपने बेहतरीन प्लेसमेंट रिकार्ड तथा आकर्षक सैलरी पैकेज के कारण हमेशा मांग में रहता है।

NEWS CLIPPING: 17.06.2020

HINDUSTAN

बीटेक में कई नए पाठ्यक्रम शुरू

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) में बीटेक में प्रौद्योगिकी को पाठ्यक्रमों में विशेषज्ञता के रूप में शामिल किया है। अगले सत्र से चार वर्षीय कंप्यूटर इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में डिग्री पाठ्यक्रमों को शुरू किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने दी।

उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) की ओर से हाल ही में विश्वविद्यालय के कंप्यूटर इंजीनियरिंग (सीई) बीटेक पाठ्यक्रम में 60 अतिरिक्त सीटों का आवंटन किया है। इस पाठ्यक्रम की तेजी से मांगे बढ़ रही है।

इसे ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने इस पाठ्यक्रम में सीटों को बढ़ाने तथा इसे नई विशेषज्ञता के साथ शुरू करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि कंप्यूटर इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में सीटों की कुल संख्या अब बढ़कर 180 हो गई है। इसके मद्देनजर विश्वविद्यालय द्वारा आगामी सत्र से 60 सीटों के साथ डेटा साइंस की विशेषज्ञता में बीटेक कंप्यूटर इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है।

सुविधा

- कंप्यूटर इंजीनियरिंग में सीटों की कुल संख्या बढ़कर 180 हो गई है
- बी-टेक इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम भी शुरू किया गया

वहीं, विश्वविद्यालय की ओर से आगामी सत्र से इंटरनेट ऑफ थिंग्स की विशेषज्ञता के साथ बी-टेक इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम भी शुरू किया गया है। नये पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को इंटरनेट प्रौद्योगिकी, दूरसंचार, सेंसर, क्लाउड कम्प्यूटिंग और डेटा एनालिटिक्स के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स के मुख्य क्षेत्रों में सीखने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने बताया कि डेटा साइंस, मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते क्षेत्र के साथ आईओटी आधारित उद्योगों में डेटा साइंटिस्ट और डेटा एनालिटिक्स की मांग निरंतर बढ़ा है।

कुलपति ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में विश्वविद्यालय ने यूजी तथा पीजी स्तर पर 22 नए पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। विभिन्न पाठ्यक्रमों में सीटों की संख्या में वृद्धि की है। वर्ष 2015 में विश्वविद्यालय के सभी पाठ्यक्रमों में सीटों की कुल संख्या 714 थी जो अब बढ़कर 1700 सीटों से अधिक हो गई है।

NEWS CLIPPING: 17.06.2020

NAVBHARAT TIMES

अब डेटा साइंस व इंटरनेट ऑफ थिंग्स में भी बीटेक

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद: सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे बदलावों को देखते हुए जेसी बोस यूनिवर्सिटी ने अपने बीटेक कोर्सेज को अपग्रेड करने की प्रक्रिया शुरू की है। नए शैक्षणिक सत्र से यूनिवर्सिटी कंप्यूटर इंजीनियरिंग व इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के 4 वर्षीय बीटेक डिग्री कोर्स को डेटा साइंस व इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) की विशेषज्ञता के साथ शुरू करने जा रहा है। कुलपति प्रफेसर दिनेश कुमार ने बताया कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने हाल ही में यूनिवर्सिटी के कंप्यूटर इंजीनियरिंग (सीई) बीटेक कोर्स के लिए 60 अतिरिक्त सीटें अलॉट की हैं। साल 2019 में कंप्यूटर इंजीनियरिंग व सूचना प्रौद्योगिकी विभागों से 13 छात्रों का चयन 28.75 लाख रुपये सालाना के उच्चतम पैकेज पर हुआ था।